भानु भाषा स्मृति दिवस सम्पन्न

२०.०८.२०२४ का दिन सन्त जोसेफ्स महाविद्यालयमा नेपाली विभाग अनि आई क्यू ए सीको संयुक्त तत्त्वावधानमा भानु भाषा स्मृति दिवस सम्पन्न गरियो। विद्यार्थीहरूको परीक्षाका कारण गर्न नसकिएको कवि भानुभक्त आचार्यको स्मृति र भाषा दिवसलाई समायोजन गरेर सम्पन्न गरिएको यस कार्यक्रममा विभाग प्रमुख योगेश पन्तले भाषा भनेको परिचय हो, भाषाको पतन आफ्नो परिचयको पतन हो भन्ने विचार राखे। सबैलाई यस कार्यक्रममा स्वागत गर्ने काम महाविद्यालयका डिन र नेपाली विभागकी प्राध्यापक डा राधा शर्माले गरे। स्वागत गर्ने काममा उनले भाषाको महत्त्वबारे विद्यार्थीहरूले अवगत गराउने काम गरिन्। महाविद्यालयका राजनीतिशास्त्रका प्राध्यापक डा समीर शर्माले भाषामा भएको एउटा नाम हराउँदा त्यसले त्यस भाषा बोल्ने समुदायकै महत्त्व हराउँछ भन्ने विचार राखे। बहुभाषी हुनु राम्रो हो तर आफ्नो भाषालाई माया गर्नु र प्रयोग गर्नु अहिलेको आवश्यकता हो भन्ने उनको विचार थियो। महाविद्यालयका प्राचार्य फादर डा डोनाटस कुजुरले सांस्कृति जगेरा गर्नु अहिलेको विश्वको महत्त्वपूर्ण विषय हो भन्ने विचार राख्दै भाषा भनेको सम्प्रेषणको माध्यम मात्र होइन तर यो जुनै पनि समुदायको परिचय हो अस्तित्व हो भन्ने कुरा राखे।

यस कार्यक्रममा अन्तर विभागीय रामायण पाठ प्रतियोगिता पनि राखिएको थियो। यस प्रतियोगिताका निर्णायकहरू प्रा सुष्मा गुरुङ घोष, प्रा डा अनिरुद्र गुरुङ, प्रा सन्ध्या लामा थिए भने टेबुलेटरको भार प्रा स्यारन ग्याम्छोले लिएकी थिइन्। यस प्रतियोगितामा जुलोजी विभाग प्रथम, अर्थशास्त्र विभाग दोस्रो र बिबिए विभाग तेस्रो भएका थिए। आई क्यू ए सी का संयोजक डा अनिरुद्र गुरुङले प्रितयोगिताका फलाफल घोषणा गरेका थिए भने प्रा भुपाल छेत्री, सुनिता आचार्य र आयुष गुरुङले यस कार्यक्रमको सञ्चालन गरेका थिए। कार्यक्रमलाई प्रा बलराम सापकोटाले धन्यवाद ज्ञापन गरेर समापन गर्ने काम गरे।

News paper clip; Janpath Samachar, North Bengal Hindi Daily

सिलीगुड़ी 23 अगस्त 2024

जनपथ समाचार

दार्जिलिंग के सेंट जोसेफ कॉलेज में मनाया गया भाषा स्मृति दिवस

दार्जिलिंग (निज संवाददाता)। दार्जिलिंग के सेंट जोसेफ कॉलेज में भानु भाषा स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भानु भक्त आचार्य की विरासत और भाषा दिवस का संयुक्त उत्सव मनाया गया। नेपाली विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम को छात्र परीक्षाओं के कारण इसकी मूल तिथि से पुनर्निर्धारित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत नेपाली विभाग के प्रमुख योगेश पंत के संबोधन से हुई, जिन्होंने पहचान को आकार देने में भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किसी भाषा का पतन उसकी पहचान के क्षरण के समान है। नेपाली विभाग की डीन एवं प्रोफेसर डॉ. राधा शर्मा ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा विद्यार्थियों में भाषा के प्रति अधिक जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया।

राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. समीर शर्मा ने भी उनकी भावनाओं को दोहराते हुए चेतावनी दी कि किसी भाषा का एक भी नाम खत्म हो जाने से उस भाषा को बोलने वाले पूरे समुदाय का मूल्य कम हो जाता है। उन्होंने बहुभाषी विश्व में भी अपनी मूल भाषा को संजोए रखने और उसका प्रयोग करने के महत्व पर बल दिया। अपने संबोधन में कॉलेज के प्राचार्य फादर डॉ. डोनटस कुजूर ने सांस्कृतिक संरक्षण के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाषा न केवल संचार के साधन के रूप में कार्य करती है, बल्कि सामुदायिक पहचान और अस्तित्व की आधारशिला भी है। इस दिन का मुख्य आकर्षण अंतर-विभागीय रामायण पाठ प्रतियोगिता थी, जिसमें प्राणीशास्त्र विभाग प्रथम स्थान पर रहा, अर्थशास्त्र विभाग दूसरे स्थान पर तथा बीबीए विभाग तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता का निर्णायक प्रोफेसर सुषमा गुरुंग घोष, डॉ. अनिरुद्ध गुरुंग और संध्या लामा थे, जबकि प्रोफेसर शेरोन ग्यामत्सो ने अंकों की सारणीकरण का प्रबंधन किया। परिणामों की घोषणा आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. अनिरुद्ध गुरुंग द्वारा की गई और कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर भूपाल छेत्री, सुनीता आचार्य और आयुष गुरुंग द्वारा सुचारू रूप से किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर बलराम खापकोटा के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसके साथ दिन के कार्यक्रम का

कर्सियांग में आज से आरंभ होगी तीन